577TC4

पाठ 22

हिरोशिमा की पीड़ा

–श्री अटल बिहारी वाजपेयी

किसी एक देश में हुआ नर संहार समस्त मानव जाति की चेतना को झिंझोड़ सकता है। ऐसे में हमार उत्तदायित्व क्या होता है। यही बताने के लिए इस पाठ का चयन किया गया है। इस पाठ में मानवतावादी दृष्टिकोण, मानवीय संवेदना, करूणा एवं विज्ञान के सदुपयोग आदि के बारे में बताया गया है।

किसी रात को
मेरी नींद अचानक उचट जाती है,
आँख खुल जाती है,
मैं सोचने लगता हूँ कि
जिन वैज्ञानिकों ने अणु अस्त्रों का
आविष्कार किया था :
वे हिरोशिमा – नागासाकी के
भीषण नरसंहार के समाचार सुनकर
रात को सोए कैसे होंगे ?

दाँत में फँसा तिनका,
आँख की किरकिरी,
पाँव में चुभा काँटा,
आँखों की नींद,
मन का चैन उड़ा देते हैं।

सगे–संबंधी की मृत्यु,
किसी प्रिय का न रहना,
परिचित का उठ जाना
यहाँ तक कि पालतू पशु का भी बिछोह
हृदय में इतनी पीड़ा इतना विषाद भर देता है

कि चेष्टा करने पर भी नींद नहीं आती
करवटें बदलते रात गुजर जाती है।

किंतु जिनके आविष्कार से
वह अंतिम अस्त्र बना
जिसने छः अगस्त उन्नीस सौ पैंतालीस की काल रात्रि को
हिरोशिमा–नागासाकी में मृत्यु का तांडव कर
दो लाख से अधिक लोगों की बलि ले ली,
हजारों को जीवन भर के लिए अपाहिज कर दिया

क्या उन्हें एक क्षण के लिए सही, यह
अनुभूति हुई कि उनके हाथों जो कुछ
हुआ, अच्छा नहीं हुआ ?
यदि हुई, तो वक्त उन्हें कटघरे में खड़ा नहीं करेगा
किंतु यदि नहीं हुई तो इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।

– अटल बिहारी वाजपेयी

शब्दार्थ – **आविष्कार** – नवनिर्माण, प्राकट्य, नई खोज, ईजाद, **कालरात्रि** – अंधेरी एवं भयानक रात, **भीषण** – भयानक, भयंकर, **नरसंहार** – लोगों का सामूहिक विनाश, **बिछोह** – वियोग, **विषाद** – गहरा दुःख, **चेष्टा** – कोशिश, **अनुभूति** – अनुभव जन्य, **कटघरा** – काठ का बना घेरा, अदालत में वह स्थान जहाँ विचार के समय अभियुक्त और अपराधी खड़े किए जाते हैं।

पाठ से –

1. हिरोशिमा और नागासाकी नामक स्थान कहाँ स्थित हैं?
2. कवि की नींद अचानक किसी रात को क्यों उचट–उचट जाती हैं?
3. कवि का हृदय विषाद से क्यों भर जाता है?
4. विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम कहाँ गिराया गया था?
5. कविता में किस तिथि को 'कालरात्रि' कहा है और क्यों?

6. उस भीषण नरसंहार में कितने लोगों की बलि चढ़ी?

7. कवि वैज्ञानिकों से किस प्रकार की अनुभूति की अपेक्षा करता है और क्यो?

पाठ से आगे –

1. ''इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।'' इस पंक्ति में उन्हें किसके लिए कहा गया है और कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

2. इस कविता का शीर्षक 'हिरोशिमा' की पीड़ा कहाँ तक उचित है? समूह में चर्चा कीजिए और लिखिए।

3. युद्ध क्यों होते हैं? इनके कारणों पर विचार कीजिए और कारणों को बिन्दुवार लिखिए।

4. विज्ञान को सद्कार्यों से कैसे जोड़ा जा सकता है? अपने विचार लिखिए।

5. विश्व को जीतने के लिए युद्ध अथवा प्रेम व शांति में से आप किसे चुनेंगे और क्यों ? तक सहित उत्तर दीजिए।

भाषा से –

1. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए।

नर –

आँख –

रात –

देश –

हाथ –

पाँव –

2. निम्न मुहावरों का अर्थ लिखिए एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

आँख खुलना –

उठ जाना –

आँख की फिरकिरी –

करवटें बदलना –

3. कविता में 'हिरोशिमा – नागासाकी' एवं 'सगे–संबंधी ' इन शब्दों के बीच योजक चिन्ह (–) का इस्तेमाल हुआ है। ऐसे ही पाँच अन्य मिलते–जुलते शब्द बीच योजक चिन्ह लगता है, लिखिए ।

योग्यता विस्तार –

1. 'हिरोशिमा –नागासाकी' नरसंहार के संबंध में इंटरनेट से जानकारी एकत्र कर पढ़िए।
2. 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से संबंधित श्लोगन बनाइए।
3. इतिहास में कुछ ऐसे युद्ध हुए हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता है। ऐसे युद्धों के विषय में इंटरनेट, पुस्तकालय अथवा इतिहास के शिक्षक से जानकारी प्राप्त कीजिए।

और भी जाने –

अटल बिहारी वाजपेयी –

भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को हुआ। वाजपेयी जी राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रबल समर्थक रहे हैं। राजनीति में अपनी स्वच्छ छवि के कारण अजातशत्रु कहे जाते हैं। आप राजनेता होने के साथ–साथ कवि, कुशल वक्ता एवं पत्रकार के रूप में जाने जाते हैं। आप पहले विदेश मंत्री थे जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी में भाषण देकर भारत का गौरव बढ़ाया था। सन् 1942 में 'भारत छोडो आंदोलन' के तहत जेल–यात्रा भी की। आपने राष्ट्र–धर्म, पांचजन्य, चेतना, दैनिक स्वदेश तथा वीर अर्जुन का संपादन किया। आपने बहुत–सी पुस्तकें लिखीं। जिनमें आपके द्वारा दिए गए लोकसभा में भाषणों का संग्रह, लोकसभा में अटल जी, अमर बलिदान, न्यू डाइमेंशन ऑफ इंडियन फॉरेन पॉलिसी आदि मुख्य हैं।

57GPDR